शिक्षा का मात्र उद्देश्य है मुक्ति : प्रो. गिरीश्वर मिश्र

दिनांक २४ सितम्बर २०१८ को महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र, इलाहाबाद में दीक्षारम्भ पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसका विषय था –<u>शिक्षा, शिक्षक और शिक्षार्थी</u>। कार्यक्रम के अतिथि के रूप में माननीय कुलाधिपति प्रो. कमलेश दत्त त्रिपाठी तथा माननीय कुलपति प्रो.गिरीश्वर मिश्र जी |

सर्व प्रथम केंद्र के प्रवेश द्वार पर माननीय कुलाधिपति और माननीय कुलपति जी को तिलक लगाकर केंद्र की अतिथि अध्यापक डॉ.शारदा द्विवेदी तथा छात्र / छात्राओं ,केंद्र प्रभारी ,सहायक क्षेत्रीय निदेशक एवं शिक्षकों ने स्वागत किया, तदोपरांत वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली द्वारा लगायी गयी **पुस्तक प्रदर्शनी का उद्घाटन** माननीय कुलाधिपति और माननीय कुलपति जी द्वारा किया गया | साथ ही इलाहाबाद केंद्र के **डॉ. रामविलास शर्मा पुस्तक बिक्री केंद्र का निरीक्षण किया** तथा केंद्र के **पंडित विद्यानिवास मिश्र पुस्तकालय** का उद्घाटन किया। इसके बाद माननीय कुलाधिपति और माननीय कुलपति जी द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया ।

तदोपरांत छात्र/छात्राओं द्वारा कुलगीत प्रस्तुत किया गया। माननीय कुलाधिपति जी को माननीय कुलपति जी ने पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया| डॉ. कमलेश यादव ने मंचासीन अतिथियों को सूत की माला पहनाई ,अनुभाग अधिकारी श्री शम्भू दत्त सती ने अतिथियों को अंगवस्त्रम भेंटकर स्वागत किया| केंद्र प्रभारी ने मा.कुलाधिपति, मा.कुलपति तथा प्रो.रामकिशोर शर्मा जी को चरखा भेंटकर उनका स्वागत किया| अतिथियों का स्वागत केंद्र की प्रभारी डॉ. विधु खरे दास ने किया| सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ. प्रकाश त्रिपाठी ने केंद्र के झूसी में नवनिर्मित भवन की चर्चा करते हुए केंद्र में संचालित सभी दस पाठ्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया | इसके बाद इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व विभागाध्यक्ष **डॉ. रामकिशोर शर्मा** ने मुख्य विषय पर अपनी बात रखी तथा शिक्षा को व्यक्तित्व निर्माण का साधन बताया , उन्होंने बताया कि गुरु-शिष्य सम्बन्ध में शिक्षा का स्तर ऊँचा बनाए रखना शिक्षक की जिम्मेदारी है | तदोपरांत **माननीय कुलपति प्रो.गिरीश्वर मिश्र** ने शिक्षा पर प्रकाश डालते हुए बताया कि ,शिक्षा का उद्देश्य मुक्ति पाना है तथा ज्ञान का अभाव ही जीवन के क्लेश का कारण है। चारित्रिक संतुलन का अभाव शिक्षा जगत की सबसे बड़ी समस्या है। आपने यह भी बताया कि शिक्षकों को विद्यार्थियों में अध्ययन की रूचि विकसित करनी चाहिए। तकनीकि का बहुत ज्यादा प्रयोग जीवन के विरूद्ध होता जा रहा है। इस पर भी विचार करने की जरूरत है। विविधता भारत की आत्मा हमेशा रही है, जो आप लोग आज इसकी जरूरत बताते है उन्हे भारतीयता का अध्ययन करने की आवश्यकता है।

इसके बाद **माननीय कुलाधिपति प्रो. कमलेश दत्त त्रिपाठी** ने विषय पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए बताया कि आधुनिक समय में तीनों जीवन में जो तनाव है वो कभी नही था। बदलते समय में शिक्षा

औपनिवेशिक दासतां और शिक्षा का स्वरूप है। आज हम मैकाले की शिक्षा व्यवस्था के कारण अपनी खुद की शैक्षिक परपंरा को विस्मृत करते जा रहे हैं। उन्होंने प्रेम की भारतीय अवधारणा को सर्वश्रेष्ठ बताया। शिक्षा का अर्थ प्रगति को समझाना है। सप्रेषण एवं और ग्रहण ही भाषा है। भाषा मनुष्य की चेतनता के साथ अभिन्न है। अन्त में उन्होंने बताया कि संदेह करते हुए पूर्ण ज्ञान को प्राप्त करना चाहिए तथा अपना चौमुखी विकास करना है।

इसके पश्चात केंद्र में पूर्व में आयोजित हिंदी पखवाड़ा तथा स्वच्छता पखवाड़ा प्रतियोगिता के प्रतिभागी विद्यार्थियों को माननीय कुलाधिपति एवं माननीय कुलपति जी द्वारा प्रमाण –पत्र देकर सम्मानित किया गया | धन्यवाद ज्ञापन श्री नरेन्द्र दिवाकर ने दिया । राष्ट्रगान के साथ ही कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम का संचालन केंद्र के सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ. प्रकाश त्रिपाठी ने किया |

कार्यक्रम में केंद्र में पदस्थ अध्यापक/अधिकारी/कार्मचारी एवं विद्यार्थियों के साथ ही भारी संख्या में नगर के सुधीजन उपस्थित रहे जिनमें उत्तर प्रदेश जर्नलिस्ट एशोसिएसन के अध्यक्ष श्री रतन दीक्षित ,प्रो.अनीता गोपेश ,प्रो.विमला व्यास ,डॉ. शैल तनया श्रीवास्तव ,डॉ.राजेश मिश्र ,श्री नीलकांत ,श्री विनोद कुमार शुक्ल, श्री नन्दल हितैषी,इलाहाबाद उच्च न्यायलय बार के उपाध्यक्ष श्री श्रीराम पाण्डेय ,रामलखन शुक्ल तथा अनिल रंजन भौमिक,श्री आनंद शंकर श्रीवास्तव ,श्री देवेश श्रीवास्तव ,श्रीमती उमा दीक्षित आदि भारी संख्या में सुधिजन उपस्थित रहे |

मंच पर बाएं से प्रो.रामकिशोर शर्मा ,प्रो.गिरीश्वर मिश्र मान.कुलपति,प्रो.कमलेश दत्त त्रिपाठी मान.कुलाधिपति तथा केंद्र प्रभारी डॉ. विधु खरे दास एवं सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ. प्रकाश त्रिपाठी

पंडित विद्यानिवास मिश्र पुस्तकालय का उद्घाटन करते मान.कुलाधिपति एवं कुलपति

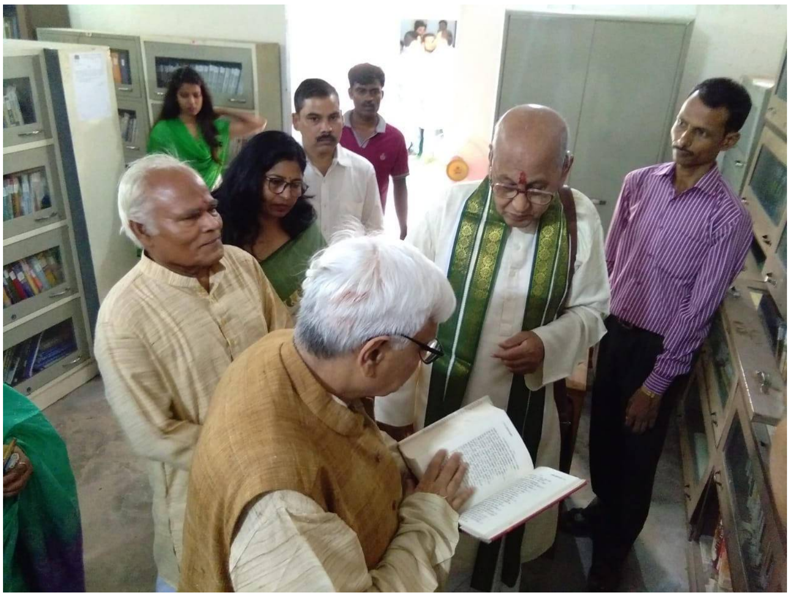

पुस्तकालय का अवलोकन करते मान.कुलाधिपति एवं कुलपति

{k=h; dn
24 / 28–सरोजनी नायडू मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद–211001, उ.प्र . भारत
फोन एवं फैक्स : 0532–2424442, मो. 09415763046 ईमेलः ard.mgahv@gmail.com वेबसाइट : hindivishwa.org

बिक्री केंद्र में मान.कुलाधिपति जी को पुस्तक भेंट करते मान कुलपति जी

भाषा विद्यापीठ के अंतर्गत **सूचना तथा भाषा अभियांत्रिकी केंद्र** के एसोशिएट प्रोफ़ेसर श्री जगदीप सिंह दांगी जी का दिनांक 23 सितम्बर को असामयिक निधन पर केंद्र में शोक सभा

egkRek xka/kh vUrjjk"Vªh; fgUnh fo'ofo|ky;] o/kkZ ¼egkjk"Vª½
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अन्तर्गत स्थापित **केंद्रीय विश्वविद्यालय**)
Mahatama Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha
(**A Central University** Established by Parliament by Act No.3 of 1997)

दीप प्रज्ज्वलन करते मान.कुलाधिपति एवं कुलपति जी

मंच पर कुलपति जी मान.कुलाधिपति जी को पुष्प गुच्छ भेंटकर उनका स्वागत करते

{k=h; dsUæ
24/28–सरोजनी नायडू मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद–211001, उ.प्र . भारत
फोन एवं फैक्स : 0532–2424442, मो. 09415763046 ईमेलः ard.mgahv@gmail.com वेबसाइट : hindivishwa.org

मान. कुलपति जी अपना उद्बोधन देते हुए

मान.कुलाधिपति जी अपना उद्बोधन देते हुए

मान.कुलाधिपति जी को स्मृति चिन्ह देते हुये सहायक क्षेत्रीय निदेशक

माननीय कुलपति जी छात्रों को प्रमाण-पत्र देते हुए

{ks=h; dsUnz
24/28–सरोजनी नायडू मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद–211001, उ.प्र . भारत
फोन एवं फैक्स : 0532–2424442, मो. 09415763046 ईमेलः ard.mgahv@gmail.com वेबसाइट : hindivishwa.org